



वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, वैवाहिक जीवन को प्रभावित करने वाले प्रतिकूल ग्रहों के प्रभाव (जैसे मंगल दोष, शनि की उदासीनता या अस्त शुक्र) का अर्थ यह नहीं है कि संबंध हमेशा के लिए टूट ही जाएं। पारंपरिक उपाय ऊर्जा के संतुलन का कार्य करते हैं - जो ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करते हैं, अवचेतन मन की कड़वाहट को दूर करते हैं और आपसी समझ को फिर से स्थापित करते हैं।

वैवाहिक स्थिरता के लिए पारंपरिक उपायों में मुख्य रूप से चार आधारभूत तरीके शामिल हैं: **पवित्र रुद्राक्ष, मंत्र जप, विधि-विधान से पूजा/व्रत और ग्रहों के अनुसार विशेष दान।**

1. दंपतियों के लिए पवित्र रुद्राक्ष चिकित्सा

रुद्राक्ष में विशेष विद्युत-चुंबकीय (इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक) और जैव-ऊर्जा आवृत्तियां होती हैं, जो तंत्रिका तंत्र की प्रतिक्रियाओं को शांत करती हैं, क्रोध को नियंत्रित करती हैं और पति-पत्नी के बीच भावनात्मक तनाव को दूर करती हैं:

- 2 मुखी रुद्राक्ष (दो मुखी):** यह अर्धनारीश्वर (शिव और पार्वती) के संयुक्त स्वरूप का प्रतीक है। यह रिश्तों में आपसी सम्मान, एकता, भावनात्मक जुड़ाव और तालमेल बढ़ाने के लिए सबसे प्रमुख रुद्राक्ष माना जाता है।
- 6 मुखी रुद्राक्ष (छह मुखी):** इसके अधिपति भगवान कार्तिकेय हैं और इसका संबंध शुक्र ग्रह से है। यह अचानक आने वाले क्रोध, अहंकार, उतावलेपन और अधीरता को नियंत्रित करने में सीधे मदद करता है, जिससे पति-पत्नी के बीच शांतिपूर्ण और स्पष्ट संवाद संभव हो पाता है।
- गौरी शंकर रुद्राक्ष:** प्राकृतिक रूप से आपस में जुड़े हुए दो रुद्राक्ष, जो भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक हैं। यह रिश्तों की गहरी दूरियों को पाटने, प्रेम को पुनः जगाने और लंबे समय तक सामंजस्य बनाए रखने के लिए अत्यधिक प्रभावशाली है।

2. मंत्र जप

मंत्रों का जाप मन को संतुलित करता है और ध्वनि की सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों को दूर करता है:

- विष्णु-लक्ष्मी मंत्र (दीर्घकालिक प्रेम और समृद्धि के लिए):**

"ॐ लक्ष्मी नारायणाय नमः"

- उद्देश्य:** गृहस्थ जीवन में सामंजस्य स्थापित करता है, ईश्वरीय सुरक्षा प्रदान करता है और घर में दांपत्य प्रेम के साथ-साथ आर्थिक स्थिरता लाता है।

- शुक्र बीज मंत्र (रोमांटिक प्रेम और आकर्षण को बढ़ाने के लिए):**

"ॐ शुं शुक्राय नमः"

- उद्देश्य:** कमजोर, पीड़ित या नीच के शुक्र को बल प्रदान करता है; मन के संकोच और कड़वाहट को दूर कर आपसी आकर्षण और आदर को बढ़ाता है।

3. पूजा और पवित्र व्रत के उपाय

धार्मिक अनुष्ठान और व्रत दंपती के संयुक्त कर्मों को सकारात्मक दिशा देते हैं और ईश्वरीय दांपत्य आदर्शों से जोड़ते हैं:

- उमा महेश्वर पूजा:** भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन को समर्पित एक पारंपरिक वैदिक अनुष्ठान, जो विशेष रूप से वैवाहिक कलह को समाप्त करने और अलगाव की स्थिति को टालने के लिए किया जाता है।

- मंगला गौरी व्रत:** यह व्रत विशेष रूप से मंगल के गंभीर दुष्प्रभावों (मंगल दोष) को शांत करने और अखंड सौभाग्य (मांगल्य भाव) की रक्षा के

लिए रखा जाता है, जिससे घर में शांति और जीवनसाथी की कुशलता सुनिश्चित होती है।

• **सत्यनारायण पूजा:** भगवान विष्णु को समर्पित एक पावन पूजा, जो घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है, पारिवारिक संबंधों में सत्य व पारदर्शिता लाती है और परिवार में शांति तथा एकता का आशीर्वाद देती है।

4. ग्रहों के निवारण हेतु दान

पीड़ित या प्रतिकूल ग्रहों से संबंधित वस्तुओं का दान करने से उनकी अतिरिक्त नकारात्मक ऊर्जा शांत और संतुलित होती है:

शुक्र ग्रह — शुक्रवार को किया जाने वाला दान:

- **सामग्री:** सफेद वस्तुएं जैसे सफेद चावल, सफेद बर्फी (मिठाई), दूध, दही या सफेद वस्त्र।
- **उद्देश्य:** आपसी प्रेम को मजबूत करता है, गृहस्थ जीवन के व्यवहार को मधुर बनाता है और रिश्ते में सामंजस्य बढ़ाता है।

मंगल ग्रह — मंगलवार को किया जाने वाला दान:

- **सामग्री:** लाल वस्तुएं जैसे लाल मसूर की दाल, तांबे के बर्तन या लाल वस्त्र।
- **उद्देश्य:** वैवाहिक जीवन में उग्रता को शांत करता है, अनियंत्रित क्रोध को कम करता है और अहंकार व गुस्से से उपजे विवादों को सुलझाता है।

शनि ग्रह — शनिवार को किया जाने वाला दान:

- **सामग्री:** काली वस्तुएं जैसे काले तिल, काले कपड़े या लोहे के बर्तन/वस्तुएं।
- **उद्देश्य:** पुरानी गलतफहमियों को दूर करता है, घर के तनावपूर्ण माहौल को समाप्त करता है और वैवाहिक विवादों को सुलझाने में आ रही देरी को खत्म करता है।

<https://astroarpitanath.com/hindi/remedies-for-good-marriage/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।